RJ-04

June - Examination 2018

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

Paper - RJ-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर खण्ड अ, ब अर स में बंट्योड़ो है। खंड 'अ' मांय साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' मांय छोटा सवाल अर खण्ड 'स' मांय निबंधात्मक सवाल दियोड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरां पडूत्तर देवो।

खण्ड – अ **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सगळा सवालां रो उथणो देवणो जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अेक वाक्य या घण करा 30 सबद है।

1) (i) मध्यकालीन राजस्थानी भगति काव्य परंपरा रा दो कवियां रा नांव बताओ।

(ii) 'हरिरस' किण कवि री रचना है?

(iii) 'नागदमण' किण कवि री रचना है?

(iv) 'राजिया रा दूहा' किण री रचना है?

(v) 'सूर छत्तीसी' किण कवि री रचना है?

(vi) 'द्रोपदी–विनय' मांय किसै रस हो प्रयोग हुयो है?

(vii) जसनाथी संप्रदाय रा प्रवर्तक कुण हा?

(viii) अलखिया संप्रदाय रा प्रवर्तक कुण हा?

(ix) 18 वीं सदी री मीरां किण नैं कैयो जावै?

(x) बांकीदास री चावी रचना किसी है?

खण्ड – ब **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्या सवालां सूं कोई चार सवाल करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) मध्यकालीन डिंगळ काव्य रो सामान्य परिचै देवो।

3) 'लखपत पिंगळ' ग्रंथ री ओळखाण करावो।

4) भक्त कवि ईसरदास रो परिचै दो।

5) बांकीदास रै जुग री जुगीन परिस्थितियाँ रो वरणन करो।

6) कृपाराम खिड़िया रै जीवणी नैं आपरै सबदां मांय मांडो।

7) सहजो बाई 'नांव री महिमा' में कांई लिखै।

8) 'जेठवा – ऊजळी' री कथा नै स्पष्ट करो।

9) छंदां रै भेदोपभेद नैं समझावो।

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्या सवालां मांय सूं कोई दो सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) मध्यकालीन राजस्थानी कविता री खास–खास प्रवृत्तियाँ माथै अेक टीप मांडो।

11) भगत कवि ईसरदास रै रचना संसार सूं अवगत करावो।

12) बांकीदास री रचनावां रो काव्यगत फुठरापौ उजागर करो।

13) 'द्रोपदी–विनय' री काव्य चेतना नैं समझावा।